A–0628

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DVS-104

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

वास्तु में विभिन्न साधन एवं अन्य विचार

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्वार के भेद स्पष्ट करते हुए मुख्यद्वार के स्वरूप पर विस्तृत आलेख लिखिए।

2. इष्टाय एवं इष्टनक्षत्र की निर्धारिण विधि को स्पष्ट करते हुए कल्पित उदाहरणपूर्वक गृहपिण्डसाधन कीजिए।

3. गृह की आयु किस प्रकार निर्धारित होती है ? विमर्श प्रस्तुत करते हुए गृहदशा का वर्णन कीजिए।

4. गृहदोष विचार पर विस्तृत निबन्ध प्रस्तुत कीजिए।

5. गृहदोषनिवारण के उपायों पर चर्चा करते हुए वास्तुशान्ति विधि निरूपित कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्वारस्थापनमुहूर्त की विस्तृत विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

2. अष्टवर्गविचार का वर्णन कीजिए।

3. इष्ट–आय एवं इष्ट नक्षत्र के चयन पर टिप्पणी लिखिए।

4. वास्तुपद के द्वारा द्वारनिर्धारण का विश्लेषण कीजिए।

5. द्वार के भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. पिण्डसाधन विधि का उल्लेख कीजिए।

7. गृह के दैर्घ्य एवं विस्तार निर्धारण पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

8. द्वार के शुभाशुभत्व विचार पर लघु निबन्ध लिखिए।

****